चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.2.26	5	2-6

खरीफ फसलों की आठ सिफारिशें स्वीकृत

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला- 2026 का समापन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय के सभागार में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का समापन हुआ। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत किस्मों के बीजों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। डा. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में किसानों के जोखिमों को कम करने के लिए विभिन्न योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से लागू किया गया है।

विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रमेश कुमार यादव ने कहा कि कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए जिनमें धान, मक्का, दलहनी फसलें, तिलहन, वानिकी, शुष्क खेती एवं चारा फसलें शामिल हैं। मंच का संचालन डा. सुनील ढांडा ने किया।

हकृवि में कार्यशाला के दौरान मौजूद अधिकारी • विज्ञप्ति

हकृवि में एक्वा उद्यम कार्यक्रम कल से

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 16 से 19 फरवरी तक चार दिवसीय राष्ट्रीय मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम एक्वा उद्यम 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन रा... कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद, तेलंगाना के मत्स्य पालन नवाचार और स्टार्टअप हब (मैनेज-फिशहब) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है जिसमें मत्स्य उद्यमिता, नवाचार, संवर्धन, शिक्षा और आजीविका को एकीकृत मंच प्रदान किया जाएगा। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज 16 फरवरी को बतौर मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। डा. सरवनन राज ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। 17 व 18 फरवरी को एक्वा युवा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जो मत्स्य विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता अभिमुखीकरण कार्यक्रम होगा। 19 फरवरी को एक्वा उद्यमी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ये सिफारिशें हुई स्वीकृत

- एचकेआर 49 : यह एक धान की एक अर्ध बोन्नी, जल्दी पकने वाली और ज्यादा पैदावार देने वाली किस्म है। यह किस्म लगभग 120 दिनों में पक जाती है। इस किस्म की औसत पैदावार 32 क्विंटल/एकड़ है और उत्पादन क्षमता 38 क्विंटल/एकड़ है।
- मूंगफली की जीएनएच 804 इस किस्म को हरियाणा राज्य के सिंचित क्षेत्र में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक सीधी और गुच्छेदार किस्म है जिसकी पत्तियां गहरे हरे रंग की होती हैं। इसकी औसत उपज 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसमे तेल की मात्रा 52 प्रतिशत होती है। यह किस्म 120 से 130 दिन में पक कर तैयार हो जाती है।
- सीएसवी 64एफ : चारा ज्वार की इस किस्म को उत्तर भारत के सभी चारा उत्पादक क्षेत्रों के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक कटाई के लिए उपयुक्त मिठास देने वाली किस्म है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 185-190 क्विंटल/एकड है।
- आरसीएच 846 बीजी 2 : बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.75 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- आरसीएच 951 बीजी 2 : बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 160-170 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 15.7 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- रघुवीर बीजी 2 : बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.13 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- दक्षिण-पश्चिम हरियाणा क्षेत्र में मूंग की फसल की अच्छी पैदावार के लिए 2 किलो पोटेशियम नाइट्रेट (13-0-45) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर दो छिड़काव फूल निकलने और फलियां बनते समय किए जाने चाहिए।
- हरियाणा में ग्रीष्मकालीन मूंग की बिजाई मार्च के दूसरे पखवाड़े से अप्रैल के प्रथम पखवाड़े तक कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.2.26	5	1-5

कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए शोध एवं विस्तार का बेहतर समन्वय जरुरीः प्रो. बलदेव राज काम्बोज

आगामी खरीफ फसलों-2026 के लिए 8 सिफारिशें हुई जारी

कार्यशाला के दौरान मंच पर उपस्थित अधिकारीगण व कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारी व अन्य।

हिसार, 14 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय के सभागार में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने भाग लिया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत किस्मों के बीजों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने फसल उत्पादन, उन्नत बीज प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीटरोग नियंत्रण, जल संरक्षण तकनीक, कृषि में मशीनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष में कृषि प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया है, ताकि छोटे एवं सीमांत किसान भी इन्हें अपनाकर अपने कृषि उत्पादन में बढ़ौतरी कर सकें। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने शोध अनुभव सांझा किये तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने फील्ड स्तर की समस्याओं और चुनौतियों से अवगत करवाया ताकि अधिकारी एक दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करके कृषि क्षेत्र को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंनें वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों से आह्वान किया कि इस कार्यशाला में फसल उत्पादन संबंधी जो सिफारिशें निकली है वह जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचायी जाएं ताकि अगामी खरीफ सीजन मे उनका लाभ मिल सकें।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में किसानों के जोखिमों को कम करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से लागू किया गया है। उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान प्रशिक्षण, कृषि मेला और फील्ड डेमो आयोजित करने का सुझाव दिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए जिनमें धान, मक्का, दलहनी फसलें, तिलहन, वानिकी, शुष्क खेती एवं चारा फसलें शामिल हैं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

इस कार्यशाला में 8 सिफारिशें स्वीकृत हुई

-एच.के.आर. 49: यह एक धान की एक अर्ध बोनी, जल्दी पकने वाली और ज्यादा पैदावार देने वाली किस्म है। यह किस्म लगभग 120 दिनों में पक जाती है। इसके दाने लम्बे पतले (सुपरफाइन) होते हैं। यह किस्म सीधी बुवाई की स्थिति में अच्छी पैदावार देती है। इस किस्म की औसत पैदावार 32 क्विंटल/एकड़ है और उत्पादन क्षमता 38 क्विंटल/एकड़ है।

-मूंगफली की जी.एन.एच. 804 इस किस्म को हरियाणा राज्य के सिंचित क्षेत्र में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक सीधी और गुच्छेदार किस्म है जिसकी पत्तियाँ गहरे हरे रंग की होती हैं। इसकी औसत उपज 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसमे तेल की मात्रा 52 प्रतिशत होती है। यह किस्म 120 से 130 दिन में पक कर तैयार हो जाती है।

-सी.एस.वी. 64 एफ: चारा ज्वार की इस किस्म को उत्तर भारत के सभी चारा उत्पादक क्षेत्रों के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक कटाई के लिए उपयुक्त मिठास देने वाली किस्म है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 185-190 क्विंटल/एकड है।

-आर.सी.एच. 846 बीजी2: बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.75 क्विंटल प्रति एकड़ है।

-आर.सी.एच. 951 बीजी2: बी. टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 160-170 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 15.7 क्विंटल प्रति एकड़ है।

-रघुवीर बीजी 2: बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.13 क्विंटल प्रति एकड़ है।

7. दक्षिण-पश्चिम हरियाणा क्षेत्र में मूंग की फसल की अ%छी पैदावार के लिए 2 किलो पोटेशियम नाइट्रेट (13-0-45) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर दो छिड़काव फूल निकलने और फलियां बनते समय किए जाने चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.2.26	8	3-6

कृषि कार्यशाला • कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वय जरूरी

धान की एचकेआर-49, मूंगफली की जीएनएच 804 किस्में की अनुमोदित

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय के सभागार में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला खरीफ-2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में धान, मूंगफली, कपास, चारा और मूंग आदि फसलों के लिए आठ सिफारिशें जारी की गई। कार्यशाला में कृषि अधिकारियों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने भाग लिया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

हकृवि में कृषि कार्यशाला में उपस्थित वैज्ञानिक एवं अधिकारी।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने फसल उत्पादन, उन्नत बीज प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट रोग नियंत्रण, जल संरक्षण तकनीक, कृषि में मशीनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष में कृषि प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने शोध अनुभव सांझा किये तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने फील्ड स्तर की समस्याओं और चुनौतियों से अवगत करवाया ताकि अधिकारी एक दुसरे के साथ समन्वय स्थापित करके कृषि क्षेत्र को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

कार्यशाला में छह सत्र आयोजित

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए। जिनमें धान, मक्का, दलहनी फसलें, तिलहन, वानिकी, शुष्क खेती एवं चारा फसलें शामिल हैं। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.2.26	2	3-8

कृषि

एचएयू की कृषि अधिकारी कार्यशाला में लिया निर्णय, खरीफ सीजन से पहले किसानों तक सिफारिशें पहुंचाने पर जोर

धान, मूंगफली, ज्वार की एक-एक, कपास की तीन किस्में अनुमोदित

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में धान, मूंगफली और ज्वार की एक-एक नई किस्म और कपास की तीन किस्मों को अनुमोदित किया गया। प्रदेश में मूंग का रकबा बढ़ाने के लिए किसानों को प्रेरित करने और ग्रीष्मकालीन मूंग की बिजाई मार्च के दूसरे पखवाड़े से अप्रैल के पहले पखवाड़े तक करने की सलाह दी गई। खरीफ सीजन-2026 से पहले किसानों के लिए यह राहत भरी खबर है।

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में शनिवार को विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से आयोजित कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि तय सिफारिशों को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए, ताकि खरीफ सीजन में उनका पूरा लाभ किसानों को मिल सके। उन्होंने उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत बीज, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और फसल विविधीकरण को किसानों तक पहुंचाने में अधिकारियों की भूमिका पर जोर दिया।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने फसल उत्पादन, उन्नत बीज प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन,

सिफारिशों को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए : कुलपति

कीट व रोग नियंत्रण, जल संरक्षण तकनीक, कृषि मशीनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता बताई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने शोध अनुभव साझा किए, जबकि कृषि विभाग के अधिकारियों ने फील्ड स्तर की समस्याओं और चुनौतियों से अवगत कराया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों के जोखिम कम करने के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं। उन्होंने किसान प्रशिक्षण, कृषि मेले और फील्ड डेमो आयोजित करने का सुझाव दिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें धान, मक्का, दलहनी फसलें, तिलहन, वानिकी, शुष्क खेती और चारा फसलों से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

दक्षिण-पश्चिम हरियाणा क्षेत्र में मूंग की अच्छी पैदावार के लिए विशेषज्ञों ने सलाह दी कि किसान 2 किलो पोटेशियम नाइट्रेट (13-0-45) को 200 लीटर पानी में घोलकर फूल निकलने और फलियां बनते समय दो बार छिड़काव करें।

कार्यशाला के दौरान मंच पर उपस्थित एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य अधिकारी। स्रोत : आयोजक

कार्यशाला में 8 सिफारिशें स्वीकृत

- **1. एचकेआर-49 (धान):** अर्ध-बौनी, जल्दी पकने वाली और अधिक पैदावार देने वाली किस्म। 120 दिन में तैयार, दाने लंबे-पतले (सुपरफाइन)। डीएसआर विधि में उपयुक्त। औसत पैदावार 32 क्विंटल/एकड़, अधिकतम 38 क्विंटल/एकड़।
- **2. जीएनएच-804 (मूंगफली):** सिंचित क्षेत्र में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त सीधी व गुच्छेदार किस्म। औसत उपज 10–12 क्विंटल/एकड़, तेल मात्रा 52 प्रतिशत, अवधि 120–130 दिन।
- **3. सीएसवी-64एफ (चारा ज्वार):** उत्तर भारत के चारा उत्पादक क्षेत्रों के लिए उपयुक्त। एक कटाई वाली मिठासयुक्त किस्म। हरे चारे की पैदावार 185–190 क्विंटल/एकड़।
- **4. आरसीएच-846 बीजी2 (कपास):** बीटी संकर किस्म, समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त। अवधि 150–160 दिन, औसत पैदावार 14.75 क्विंटल/एकड़।
- **5. आरसीएच-951 बीजी2 (कपास):** बीटी संकर किस्म, अवधि 160–170 दिन। औसत पैदावार 15.7 क्विंटल/एकड़।
- **6. रघुवीर बीजी2 (कपास):** बीटी संकर किस्म, अवधि 150–160 दिन। औसत पैदावार 14.13 क्विंटल/एकड़।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15.2.26	5	1-3

कृषि चुनौतियों से निपटने हेतु शोध व विस्तार का बेह्तर समन्वय ज़रूरी : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

कार्यशाला के दौरान मंच पर उपस्थित अधिकारी।

आगामी खरीफ फसलों-2026 के लिए 8 सिफारिशें जारी, कृवि में कृषि अधिकारी कार्यशाला सम्पन्न

हिसार, 14 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय के सभागार में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने भाग लिया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों,नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत किस्मों के बीजों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने फसल उत्पादन, उन्नत बीज प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट रोग नियंत्रण, जल संरक्षण तकनीक, कृषि में मशीनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष में कृषि प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया है। उन्होनें वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों से आह्वान किया कि इस कार्यशाला में फसल उत्पादन संबंधी जो सिफारिशें निकली है वह जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचायी जाएं ताकि आगामी खरीफ सीजन मे उनका लाभ मिल सकें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ रामप्रताप सिहाग ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में किसानों के जोखिमों को कम करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से लागू किया गया है।

इस अवसर पर कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। इस कार्यशाला में 8 सिफारिशें स्वीकृत हुई जिनमें मुख्य निम्नलिखित हैं। 1. एच.के.आर. 49: यह एक धान की एक अर्ध बोन्नी, जल्दी पकने वाली और ज़्यादा पैदावार देने वाली किस्म है। यह किस्म लगभग 120 दिनों में पक जाती है। इस किस्म की अवधि 160-170 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 15.7 क्विंटल प्रति एकड़ है रघुवीर बीजी2: बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.13 क्विंटल प्रति एकड़ है। दक्षिण-पश्चिम हरियाणा क्षेत्र में मूंग की फसल की अच्छी पैदावार के लिए 2 किलो पोटेशियम नाइट्रेट (13-0-45) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर दो छिड़काव फूल निकलने और फलियां बनते समय किए जाने चाहिए हरियाणा में ग्रीष्मकालीन मूंग की बिजाई मार्च के दूसरे पखवाड़े से अप्रैल के प्रथम पखवाड़े तक कर सकते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	15.2.26	9	3-8

कृषि विशेषज्ञों ने दो दिन मंथन के बाद जारी की आठ सिफारिशें

कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का किया आह्वान

- हकृवि में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का हुआ समापन
- चुनौतियों से निपटने के लिए शोध एवं विस्तार का बेहतर समन्वय ज़रुरी : प्रो. काम्बोज

हिसार। कार्यशाला के दौरान मंच पर उपस्थित अधिकारीगण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय के सभागार में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने भाग लिया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत किस्मों के बीजों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने फसल उत्पादन, उन्नत बीज प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट रोग नियंत्रण, जल संरक्षण तकनीक, कृषि में मशीनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष में कृषि प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया है, ताकि छोटे एवं सीमांत किसान भी इन्हें अपनाकर अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकें।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान प्रशिक्षण, कृषि मेला और फील्ड डेमो आयोजित करने का सुझाव दिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए जिनमें धान, मक्का, दलहनी फसलें, तिलहन, वानिकी, शुष्क खेती एवं चारा फसलें शामिल हैं।

कार्यशाला में स्वीकृत 8 सिफारिशें

▸▸ **एचकेआर 49:** यह एक धान की एक अर्ध बोन्नी, जल्दी पकने वाली और ज्यादा पैदावार देने वाली किस्म है। यह किस्म लगभग 120 दिनों में पक जाती है। इस किस्म की औसत पैदावार 32 क्विंटल/एकड़ है और उत्पादन क्षमता 38 क्विंटल/एकड़ है।

▸▸ **मूंगफली की जीएनएच 804 :** इस किस्म को हरियाणा राज्य के सिंचित क्षेत्र में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित किया गया है। इसकी औसत उपज 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसमे तेल की मात्रा 52 प्रतिशत होती है।

▸▸ **सीएसवी 64एफ :** चारा ज्वार की इस किस्म को उत्तर भारत के सभी चारा उत्पादक क्षेत्रों के लिए अनुमोदित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 185-190 क्विंटल/एकड़ है।

▸▸ **आरसीएच 846 बीजी 2 :** बीटी कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है।

▸▸ **आरसीएच 951 बीजी 2:** बीटी कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 160-170 दिन है।

▸▸ **रघुवीर बीजी 2 :** बीटी कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है।

▸▸ दक्षिण-पश्चिम हरियाणा क्षेत्र में मूंग की फसल की अच्छी पैदावार के लिए दो किलो पोटेशियम नाइट्रेट (13-0-45) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर दो छिड़काव फूल निकलने और फलियां बनते समय किए जाने चाहिए।

▸▸ हरियाणा में ग्रीष्मकालीन मूंग की बिजाई मार्च के दूसरे पखवाड़े से अप्रैल के प्रथम पखवाड़े तक कर सकते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	15.2.26	8	1-3

'कृषि में शोध, विस्तार का समन्वय जरूरी'

हिसार, 14 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय के सभागार में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) सपंन्न हो गई। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में 8 सिफारिशें मंजूर हुई हैं। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत किस्मों के बीजों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि में शोध और विस्तार का समन्वय बेहतर होना जरूरी है। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यशाला में फसल उत्पादन संबंधी जो सिफारिशें निकली है वे किसानों तक पहुंचायी जायें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	15.02.2026	--	--

कृषि चुनौतियों से निपटने को शोध-विस्तार का समन्वय जरूरी: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

- खरीफ 2026 के लिए 8 सिफारिशें जारी, हकृवि में कृषि अधिकारी कार्यशाला संपन्न

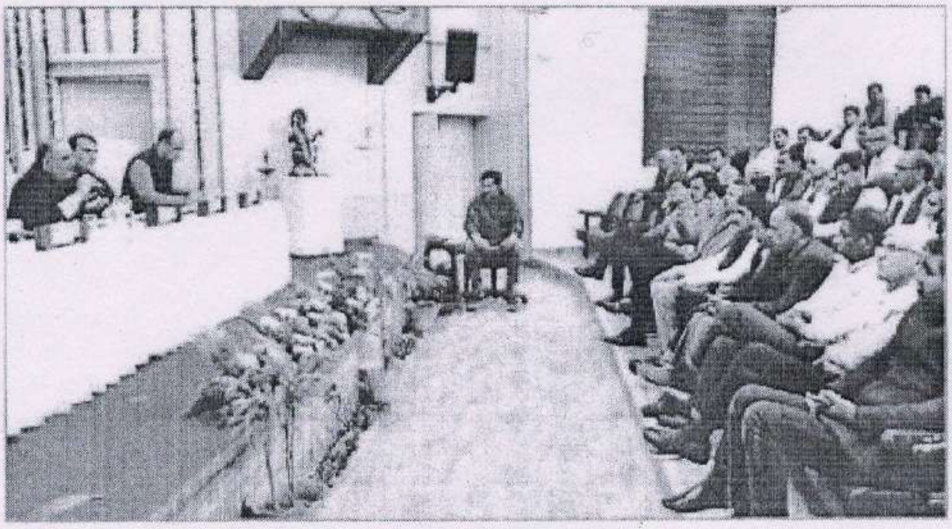

हिसार (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ-2026) का समापन हुआ। समापन अवसर पर कुलपति बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए शोध एवं विस्तार के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्नत बीज, नवीन कृषि तकनीक, मृदा स्वास्थ्य, कीट-रोग नियंत्रण, जल संरक्षण, मशीनीकरण और जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि प्रबंधन को तेजी से किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि छोटे व सीमांत किसानों की आय बढ़ सके। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने कहा कि किसानों के जोखिम कम करने के लिए सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है तथा प्रशिक्षण, कृषि मेले और फील्ड डेमो बढ़ाने की जरूरत है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि कार्यशाला में धान, मक्का, दलहन, तिलहन, चारा फसल, वानिकी व शुष्क खेती पर छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला में खरीफ-2026 के लिए 8 सिफारिशें स्वीकृत की गईं, जिनमें धान की एचकेआर-49 किस्म, मूंगफली जीएनएच-804, चारा ज्वार सीएसवी-64एफ, बीटी कपास की तीन संकर किस्में तथा मूंग फसल से जुड़ी उन्नत कृषि तकनीक शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	14.02.2026	--	--

कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए शोध एवं विस्तार का बेहतर समन्वय ज़रुरीः प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» आगामी खरीफ फसलों-2026 के लिए 8 सिफारिशें हुई जारी

» हकृवि में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का हुआ समापन

दक्ष दर्पण

हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय के सभागार में विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का समापन हुआ। कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने भाग लिया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत किस्मों के बीजों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने फसल उत्पादन, उन्नत बीज प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट रोग नियंत्रण, जल संरक्षण तकनीक, कृषि में मशीनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष में कृषि प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया है, ताकि छोटे एवं सीमांत किसान भी इन्हें अपनाकर अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकें। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने शोध अनुभव सांझा किये तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने फील्ड स्तर की समस्याओं और चुनौतियों से अवगत करवाया ताकि अधिकारी एक दुसरे के साथ समन्वय स्थापित करके कृषि क्षेत्र को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों से आह्वान किया कि इस कार्यशाला में फसल उत्पादन संबंधी जो सिफारिशें निकली है वह जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचायी जाएं ताकि अगामी खरीफ सीजन मे उनका लाभ मिल सकें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में किसानों के जोखिमों को कम करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से लागू किया गया है। उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान प्रशिक्षण, कृषि मेला और फील्ड डेमो आयोजित करने का सुझाव दिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छः सत्र आयोजित किए गए जिनमें धान, मक्का, दलहनी फसलें, तिलहन, वानिकी, शुष्क खेती एवं चारा फसलें शामिल हैं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

इस कार्यशाला में 8 सिफारिशें स्वीकृत हुई जिनमे मुख्य निम्नलिखित है

1. एच.के.आर. 49: यह एक धान की एक अर्ध बौनी, जल्दी पकने वाली और ज्यादा पैदावार देने वाली किस्म है। यह किस्म लगभग 120 दिनों में पक जाती है। इसके दाने लम्बे पतले (सुपरफाइन) होते हैं। यह किस्म सीधी बुवाई की स्थिति में अच्छी पैदावार देती है। इस किस्म की औसत पैदावार 32 क्विंटल/एकड़ है और उत्पादन क्षमता 38 क्विंटल/एकड़ है।

2. मूंगफली की जी.एन.एच. 804 इस किस्म को हरियाणा राज्य के सिंचित क्षेत्र में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक सीधी और गुच्छेदार किस्म है जिसकी पत्तियाँ गहरे हरे रंग की होती हैं। इसकी औसत उपज 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसमे तेल की मात्रा 52 प्रतिशत होती है। यह किस्म 120 से 130 दिन में पक कर तैयार हो जाती है।

3. सीएसवी 64एफ: चारा ज्वार की इस किस्म को उत्तर भारत के सभी चारा उत्पादक क्षेत्रों के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक कटाई के लिए उपयुक्त मिठास देने वाली किस्म है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 185-190 क्विंटल/एकड़ है।

4. आरसीएच 846 बीजी2: बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.75 क्विंटल प्रति एकड़ है।

5. आरसीएच 951 बीजी2: बी. टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 160-170 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 15.7 क्विंटल प्रति एकड़ है।

6. रघुवीर बीजी2: बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.13 क्विंटल प्रति एकड़ है।

7. दक्षिण-पश्चिम हरियाणा क्षेत्र में मूंग की फसल की अच्छी पैदावार के लिए 2 किलो पोटेशियम नाइट्रेट (13-0-45) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर दो छिड़काव फूल निकलने और फलियां बनते समय किए जाने चाहिए।

8. हरियाणा में ग्रीष्मकालीन मूंग की बिजाई मार्च के दूसरे पखवाड़े से अप्रैल के प्रथम पखवाड़े तक कर सकते है।

खरीफ फसलों-2026 के लिए आठ सिफारिशें हुई जारी

कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए शोध एवं विस्तार का बेहतर समन्वय ज़रुरी : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का आज समापन हुआ। कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने भाग लिया। समापन समारोह में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ रामप्रताप सिहाग ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में किसानों के जोखिमों को कम करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से लागू किया गया है। उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान प्रशिक्षण, कृषि मेला और फील्ड डेमो आयोजित करने का

वैज्ञानिकों तथा विस्तार विशेषज्ञों ने लिया भाग

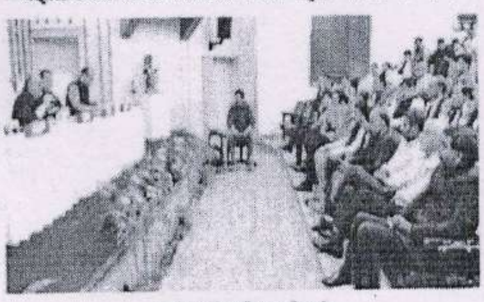

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी।

सुझाव दिया। कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए जिनमें धान, मक्का, दलहनी फसलें, तिलहन, बागवानी, शुष्क खेती एवं चारा फसलें शामिल हैं।

प्रो. काम्बोज ने प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम अनुसंधान उपलब्धियों, उन्नत किस्मों के बीजों, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विविधीकरण को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों से आह्वान किया कि इस कार्यशाला में फसल उत्पादन संबंधी जो सिफारिशें निकली है वह जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचायी जाए ताकि आगामी खरीफ सीजन मे उनका लाभ मिल सके।

ये 8 सिफारिशें हुई स्वीकृत

1. एच.के.आर. 49 यह एक धान की एक अर्ध बौनी, जल्दी पकने वाली और ज्यादा पैदावार देने वाली किस्म है। यह किस्म लगभग 120 दिनों में पक जाती है। इसके दाने लम्बे पतले (सुपरफाइन) होते है। यह किस्म सीधी बुवाई की स्थिति में अच्छी पैदावार देती है। इस किस्म की औसत पैदावार 32 क्विंटल/एकड़ है और उत्पादन क्षमता 38 क्विंटल/एकड़ है।
2. मूंगफली की जी.एन.एच. 804 इस किस्म को हरियाणा राज्य के सिंचित क्षेत्र में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक सीधी और गुच्छेदार किस्म है जिसकी पत्तियाँ गहरे हरे रंग की होती हैं। इसकी औसत उपज 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसमें तेल की मात्रा 52 प्रतिशत होती है। यह किस्म 120 से 130 दिन में पक कर तैयार हो जाती है।
3. सीएसवी 64एफ चारा ज्वार की इस किस्म को उत्तर भारत के सभी चारा उत्पादक क्षेत्रों के लिए अनुमोदित किया गया है। यह एक कटाई के लिए उपयुक्त मिठास देने वाली किस्म है। इस किस्म की हरे चारे की पैदावार 185-190 क्विंटल/एकड़ है।
4. आरसीएच 846 बीजी2 बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.75 क्विंटल प्रति एकड़ है।
5. आरसीएच 951 बीजी2 बी. टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 160-170 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार15.7 क्विंटल प्रति एकड़ है।
6. रघुवीर बीजी2 बी.टी. कपास की संकर किस्म हरियाणा में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की अवधि 150-160 दिन है। इस किस्म की औसत पैदावार 14.13 क्विंटल प्रति एकड़ है।
7. दक्षिण-पश्चिम हरियाणा क्षेत्र में मूंग की फसल की अच्छी पैदावार के लिए 2 किलो पोटेशियम नाइट्रेट (13-0-45) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर दो छिड़काव फूल निकलने और फलियां बनते समय किए जाने चाहिए।
8. हरियाणा में ग्रीष्मकालीन मूंग की बिजाई मार्च के दूसरे पखवाड़े से अप्रैल के प्रथम पखवाड़े तक कर सकते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.2.26	4	1-2

एचएयू में एक्वा उद्यम कार्यक्रम कल से

मत्स्य उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 16 से 19 फरवरी तक एक्वा उद्यम नामक चार दिवसीय राष्ट्रीय मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित होगा। यह आयोजन राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद के मत्स्य पालन नवाचार व स्टार्टअप हब के सहयोग से होगा, जिसमें मत्स्य उद्यमिता, नवाचार, शिक्षा, संवर्धन और आजीविका को एकीकृत मंच मिलेगा।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज 16 फरवरी को उद्घाटन करेंगे, जबकि मैनेज-फिशहब के सीईओ डॉ. सरवनन राज विशिष्ट अतिथि होंगे। पहले दिन हितधारक सम्मेलन में उद्यमी, मछुआरे, छात्र, शोधकर्ता व संस्थान प्रतिनिधि शामिल होंगे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.2.26	4	3

हकृवि में चार दिवसीय एक्वा उद्यम कार्यक्रम कल से

हिसार, 14 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 16 से 19 फरवरी तक चार दिवसीय राष्ट्रीय मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम एक्वा उद्यम 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद, तेलंगाना के मत्स्य पालन नवाचार और स्टार्टअप हब (मैनेज-फिशहब) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज 16 फरवरी को बतौर मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। निदेशक (कृषि विस्तार), राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालन नवाचार और स्टार्ट हब डॉ. सरवनन राज विशिष्ट अतिथि के तौर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ायेंगे।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में मत्स्य उद्यमिता के लिए सुदृढ़ सहयोगी तंत्र विकसित करने के लिए ठोस रणनीति तैयार की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	15.2.26	9	1

हकृवि में चार दिवसीय एक्वा उद्यम कार्यक्रम 16 से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 16 से 19 फरवरी तक चार दिवसीय राष्ट्रीय मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम एक्वा उद्यम 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद, तेलंगाना के मत्स्य पालन नवाचार और स्टार्टअप हब (मैनेज-फिशहब) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है जिसमें मत्स्य उद्यमिता, नवाचार, संवर्धन, शिक्षा और आजीविका को एकीकृत मंच प्रदान किया जाएगा।